



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बोरवार, ११ जुलाई, १९९६/२० आषाढ़, १९१८

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग
(विधायी एवम् राजभाषा खण्ड)

अधिसूचना

शिमला-१७१००२; २७ मई, १९९६

संख्या एल० एल० आर० (राजभाषा) बी० (१६)-७/९६.—स्टेज कैरिएज (हिमाचल प्रदेश अनैन्डैन्ड) ऐक्ट, १९७३ (१९७४ का ३) क राजभाषा (हिन्दी) अनुवाद को हिमाचल प्रदेश के राजपत्र के तारोख १४-५-९६ क प्राधिकार के अधीन एतद्द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है और वह

हिमाचल प्रदेश राजभाषा (अनुपूरक उपबन्ध) अधिनियम, 1981 (1981 का 12) की धारा 3 के अधीन उक्त अधिनियम का राजभाषा (हिन्दी) में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

हस्ताक्षरित/-
सचिव (विधि)।

मंजिली गाड़ी (हिमाचल प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 1973

(1974 का 3)

(17 जनवरी, 1974 को राज्यपाल द्वारा अनुमोदित)

(30-4-96 को यथा विद्यमान)

हिमाचल प्रदेश में यथा लागू मंजिली गाड़ी अधिनियम, 1861 (1861 का 16) का संशोधन करने लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के चौबीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मंजिली गाड़ी (हिमाचल प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 1973 है।

संक्षिप्त नाम,
विस्तार
और प्रारम्भ ।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश पर है ।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

2. मंजिली गाड़ी अधिनियम, 1861 की धारा 4 के स्थान पर निम्नलिखित धारा रखी जाएगी, अर्थात् :—

धारा 4 का
संशोधन ।

“4. अनुज्ञप्ति के लिए प्रभार और अवधि.—(1) राज्य सरकार ऐसी प्रत्येक अनुज्ञप्ति के लिए संदत्त की जाने वाली फीस और अवधि त्रिमके लिए अनुज्ञप्ति जारी की जाएगी, को विहित करते हुए नियम बना सकेगी :

परन्तु बारह मास या उससे कम अवधि की अनुज्ञप्ति के लिए संदत्त की जाने वाली राशि दस रुपये और फीस की दर अनुज्ञप्ति की अवधि के प्रत्येक मास के लिए एक रुपये से अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और कि फीस की राशि की संगणना के प्रयोजन के लिए मास के किसी भाग को पूर्ण मास समझा जाएगा ।

(2) जहाँ कोई अनुज्ञप्त मंजिली गाड़ी अनुज्ञप्ति की अवधि के भीतर ही किसी नए स्वत्वधारी को अन्तरित की जाती है, वहाँ उस आशय के आवेदन पर ऐसे नए स्वत्वधारी का नाम अनुज्ञप्ति में, अनुज्ञप्ति की शेष अवधि के लिए कोई अतिरिक्त संदाय के बिना, भूतपूर्व स्वत्वधारी के नाम के स्थान पर प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा और प्रत्येक व्यक्ति, जो अनुज्ञप्ति से स्वत्वधारी प्रतीत होता है, इस अधिनियम के समस्त प्रयोजनों के निमित्त ऐसा स्वत्वधारी समझा जाएगा ।

(3) इस धारा के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम, बना जाने के पश्चात् यथाशीघ्र, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के समक्ष, जब वह सत्र में हो, रखा जाएगा । यदि उस सत्र के जिसमें इसे ऐसा रखा जाए या ठीक बाद के सत्र के अवधान से

पूर्व सदन नियम में कोई परिवर्तन करता है तो वह ऐसे परिवर्तित रूप में ही प्रभावी होगा या यदि सदन विनिश्चय करता है कि नियम नहीं बनाना चाहिए तो तत्पश्चात् वह निष्प्रभाव हो जाएगा। किन्तु नियम के ऐसे परिवर्तित या निष्प्रभाव होने से उसके अधीन पहले की गई किसी बात की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

निरसन और व्यावृत्तियां। 3. पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा लागू स्टेज कैरिज अमेंडमेंट ऐक्ट, 1924 (1924 का 3) का एतद्द्वारा निरसन किया जाता है, किन्तु ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अधिनियम के अधीन या द्वारा प्रदत्त किन्हीं शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई कोई बात या कार्रवाई, इस अधिनियम के अधीन या द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई समझी जाएगी।